ISSN-0972-9909

छत्तीसगढ़ विवेक

कला, मानविकी, संस्कृति, शिक्षा, पत्रकारिता, वाणिज्य एवं विज्ञान की त्रैमासिक शोध पत्रिका

अंक-51, वर्ष -14, अक्टूबर-दिसंबर, 2015

अनुक्रम

क्षेत्रीय विकास एवं असमानता : छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में - डॉ. राजकुमार पटेल - 05

महादेवी के काव्य में प्रतीक विधान - डॉ. (श्रीमती) रेखा चन्द्राकर - 07

Gender Discrimination : Effect of women in Agriculture & Tourism Sector - Dr. Vibha Singh - 09

MUSIC : OBSCURITY OR IGNORANCE - Ashish Chakraborty - 18

प्रथम किसान आन्दोलन शेखावटी मील का पत्थर - डॉ. विभा सिंह - 20

बालिकाओं की शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन - श्रीमती सुषमा झा - 24

मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में गांधीवादी चेतना - राजीव कुमार - 28

समग्र मूल्यांकन को क्रियान्वित करते समय शिक्षकों की कठिनाइयों का एक अध्ययन : बस्तर के विशेष सन्दर्भ में - Shabana Khan - 32

हिन्दी : राजभाषा से संसदीय भाषा तक का सफर - डॉ. नीलांजना जैन - 36

समाज और साहित्य में मीडिया की भूमिका - डॉ. अमित शुक्ल - 39

ललित परंपरा के पोषक निबंधकार पं. विद्यानिवास मिश्र - डॉ. सुधीर शर्मा - 42

Government College Sanawal ★ Dist.-Balrampur (C.G.) ★
AISHE Code C-50270

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला-बलरामपुर (छ.ग.)

Scanned by TapScanner

ISSN-0972-9909

क्षेत्रीय विकास एवं असमानता : छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में

डॉ. राजकुमार पटेल
सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (भूगोल विभाग)
शास. महावि. सनावल जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

सारांश –
विकास एक सतत् प्रक्रिया है। आर्थिक दृष्टि से विकसित एवं अविकसित राज्यों अथवा एक ही राज्य के भीतर विकसित एवं अविकसित क्षेत्रों का सह-अस्तित्व ही क्षेत्रीय असंतुलन या असमानता कहलाता है। क्षेत्रीय असमानता का कारण प्राकृतिक या मानवीय या फिर दोनों हो सकता है। यह असंतुलन अंतर्राष्ट्रीय अथवा अंत राज्यीय अथवा समग्र या प्रखण्डीय हो सकता है। छत्तीसगढ़ भारत का नवगठित 26वाँ राज्य है। इसके विभिन्न भागों में क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से असमानता देखने को मिलती है। इसे सम्पन्न बनाने के लिए पूरे प्रदेश का समग्र विकास किये जाने हेतु प्रयास अपेक्षित है।

संकेत शब्द – विकास, समग्र विकास, जनगणना, क्षेत्रीय असंतुलन या समानता, संतुलित विकास

अध्ययन क्षेत्र –

भारत के मध्य में स्थित इस राज्य का अक्षांशीय विस्तार 17–46' उत्तर से 24–5' उत्तरी अक्षांश एवं 80–15' पूर्व से 84–24' पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। इसका क्षेत्रफल 1,35,163 वर्ग कि.मी. व 2011 की जनगणना के अनुसार यहाँ की कुल जनसंख्या 2,55,49,156 है। क्षेत्रफल की दृष्टि से 16वाँ बड़ा राज्य है। लिंगानुपात की दृष्टि से केरल (प्रथम 1084) के बाद तीसरे स्थान पर है। छत्तीसगढ़ का लिंगानुपात राष्ट्रीय औसत 940 से 51 अधिक है जो जनांकिकीय एवं मानवीय संबंधों का शुभ संकेतक है। प्रदेश में वर्तमान में 05 संभाग, 27 जिले, 147 तहसील व 19720 आबाद गाँव है।

अध्ययन का उद्देश्य –

1. छत्तीसगढ़ के समग्र विकास का अध्ययन करना।

2. छत्तीसगढ़ में क्षेत्रीय असमानता के कारणों की जानकारी प्राप्त करना।

3. प्रदेश में संतुलित विकास हेतु सुझाव देना।

आँकड़ों के स्त्रोत एवं विधि तंत्र –

प्रस्तुत शोध पत्र वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक है। प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितीयक आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। द्वितीयक आँकड़ों का संकलन विभिन्न प्रकार के जनगणना प्रकाशन, अभिलेखों प्रकाशित किताबों व पत्र–पत्रिकाओं से लिया गया है।

छत्तीसगढ़ में प्रादेशिक विषमता एक वास्तविकता है?

छत्तीसगढ़ में प्रादेशिक विकास एवं विषमता एक वास्तविकता है इस संबंध में निम्न बिंदुओं का अवलोकन किया जाना उचित प्रतित होता है–

(1) जनसंख्या घनत्व – 2011 की जनसंख्या के अनुसार छत्तीसगढ़ का औसत जनघनत्व 189 व्यक्ति

Government College Sanawal ★ AISHE Code C-50270 Distt.-Balrampur (C.G.)
प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

प्रति वर्ग किमी है। प्रदेश का सर्वाधिक जनघनत्व जांजगीर चांपा जिले मे 421 है। जबकि सबसे कम जनघनत्व नारायणपुर जिले मे मात्र 20 प्रति वर्ग कि मी है।

(2) जनसंख्या वृद्धि दर – 2011 की जनगणना के अनुसार छत्तीसगढ़ का जनसख्या वृद्धि दर औसत 22.5 है। सर्वाधिक कबीरधाम 40.46 तथा सबसे कम जनसख्या वृद्धि पर बीजापुर 8.76 है।

(3) साक्षरता – 2011 की जनगणना के अनुसार छत्तीसगढ़ का औसत साक्षरता 71.04 है। प्रतिशत पुरूषो की साक्षरता दर 81.45 प्रतिशत तथा महिलाओ की साक्षरता दर 60.59 है।

(4) लिंगानुपात – 2011 की जनगणना के अनुसार छ.ग. मे लिगानुपात 991 है जो देश के औसत लिगानुपात 940 व्यक्ति से अधिक है। सर्वाधिक लिगानुपात जिलो मे 1024 तथा सबसे कम लिगानुपात कोरिया व कोरबा मे 971 है।

(5) जनसंख्या – 2011 की जनगणना के अनुसार छ.ग. की कुल जनसख्या 25540196 है। सर्वाधिक जनसख्या वाला जिला रायपुर 4062162 है जबकि सबसे कम जनसख्या वाला जिला नारायणपुर 40206 है।

(6) नगरीकरण – 2011 की जनगणना के अनुसार छत्तीसगढ़ मे नगरीकरण का प्रतिशत 23.24 है। सर्वाधिक नगरीकरण दुर्ग जिले में 38.41 प्रतिशत है जबकि सबसे कम नगरीकरण जशपुर जिले मे 8.92 प्रतिशत रहा है। उपर्युक्त विवरणो से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ मे प्रादेशिक विकास मे असमानता (विषमता) एक वास्तविकता बन गयी है।

प्रादेशिक विकास एवं असमानता के कारण –

1 राज्य की भौगोलिक स्थिति – राज्य का उत्तरी व दक्षिणी भाग पहाड़ी व पठारी है। जबकि मध्यवर्ती भाग मैदानी है। और अन्य भागो से अधिक उपजाऊ है।

2 निजी विनियोग – निजी पूँजीपति उन्ही स्थानो पर अधिक पूँजी विनियोग करते है। जहाँ उन्हे अधिक सुविधाएँ लाभ प्राप्त होने की सभावना रहती है।

3 धीमा औद्योगीकरण – छ.ग. मे औद्योगीकरण कुछ स्थानो पर ही केन्द्रित हो गये है जैसे भिलाई, कोरबा, रायगढ़, रायपुर शेष मे औद्योगीकरण काफी धीमा है।

4 निर्धनता व बेरोजगारी – छ.ग. के अधीकाश क्षेत्र विशेषकर जनजातीय क्षेत्रो मे गरीबी व बेरोजगारी के कारण विकास नही हो पाया है।

प्रादेशिक असमानता को कम करने के उपाय –

1 पिछड़े जिलो मे अधिकाधिक अनुदान व सहायता प्रदान किया जाना चाहिए।

2 पिछड़े क्षेत्रो मे कृषि व औद्योगिक दृष्टि से विशेष सुविधाएँ दिये जाने चाहिए।

3 सार्वजनिक व निजी दोनो ही क्षेत्रों का सपूर्ण विकास किया जाना चाहिए।

4 भ्रष्ट राजनीति व प्रशासन पर अंकुश लगाना चाहिए।

5 कृषि व वन आधारित उद्योगो के विकास पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।

उपसंहार –

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि छ.ग. मे प्रादेशिक असमानता एक वास्तविकता है इसे चमत्कारिक ढग से तो समाप्त नही किया जा सकता किंतु उपर्युक्त सुझावो पर अमल करके कम किया जा सकता है जिससे क्षेत्रीय असंतुलन कम से कम हो तथा समग्र विकास को बल मिले।

References -

1. Bansal, S.C. (2010) : Geography of India, meenakshi publication Merut(U.P.).
2. Gajpal, (Smt.) Kiran (2006): Geography of Chhattisgarh Vaibhav Publication, Raipur (C.G.)
3. Ozha, Ragunath (2010) : Regional Development and Planning, Kitab Ghar, Kanpur (U.P.).
4. Mishra, R.P. (1978) : Regional Planning and National Development, Vikas Publication, New Delhi.
5. Srivastava, V.K., Sharma, N. and Chauhan P.R. (2010) : Regional Planning and Balanced Development, Vashundhara Publication Gorakhpur (U.P.).

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)
Government College Sanawal AISHE Code C-50278 Distt.-Balrampur (C.G.)

Scanned by TapScanner